भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 367
दिनांक 03.02.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

जी–20 नेताओं का शिखर सम्मेलन

367. श्री पी. रविन्द्रनाथ:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का नई दिल्ली में सितम्बर, 2023 के महीने में होने वाले "जी–20 नेताओं के शिखर सम्मेलन" के दौरान "हिंद–प्रशांत क्षेत्र" में भारतीय मछुआरों की शांति, सद्भाव, स्थिरता और सुरक्षा के बारे में चर्चा करने का विचार है:

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में प्रस्तावित जी–20 शिखर सम्मेलन के अंतर्गत होने वाली बैठकों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार का देश के लाभ के लिए इस अवसर का किस प्रकार उपयोग करने का विचार है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री वी. मुरलीधरन)

(क और ख) द ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी (जी–20) अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है। यह मंच सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक व्यवस्था तथा अभिशासन को आकार देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारी जी–20 अध्यक्षता के दौरान व्यापक प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार–विमर्श के साथ–साथ समावेशी और प्रगतिशील विकास; सतत विकास लक्ष्यों पर प्रगति; पर्यावरण के लिए हरित विकास और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली (मिशन लाइफ); प्रौद्योगिकीय परिवर्तन और सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना; बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार; महिलाओं से संबंधित विकास; तथा अंतरराष्ट्रीय शांति और सद्भाव भी सम्मिलित हैं।

(ग और घ) हमारी जी–20 अध्यक्षता के दौरान भारत 30 से अधिक विभिन्न कार्यक्षेत्रों में लगभग 200 बैठकों की मेजबानी करेगा जिसमें शेरपा ट्रैक वर्किंग ग्रुप, फाइनेंस ट्रैक वर्कस्ट्रीम, मंत्रिस्तरीय बैठकें और संपर्क समूह शामिल हैं। इन्हें तमिलनाडु सहित पूरे देश में आयोजित किया जायेगा। जी–20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9–10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में होना तय हुआ है। बैठकों की निर्धारित तिथियां और स्थान समय–समय पर जी–20 वेबसाइट पर अपडेट किए जाते हैं।

*****